

क्या होता है पिता

बिनय शर्मा

क्या होता है पिता
क्या है ये तुमको पता
जो है जीता
अपना जीवन सही
पर अपने लिए नहीं
सुबह से शाम
दिन रात काम
बिना किये आराम
हर हाल में
रखता है ख्याल में
जैसा भी हो आपना जीवन
खिलाएंगे एक नया उपवन
कब तक रहता किसका साथ
सब छोर जाते हाथ
पर इसको भुलाकर
जीवन में फूल खिलाकर



पोस्ता-पलता
बड़ा है करता
वही है एक पिता
और कोई नहीं भाग्य-विधाता